यूको मासिकी पटना

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना, अंक:-02, फरवरी -2020

यूको मासिकी पटना

संपादक- मंडल

संरक्षक व प्रधान संपादक

दिलीप सिंह राठौड़
उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख
यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना

परामर्शदाता

मनोज कुमार
उप अंचल प्रमुख
यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना

सलाहकार- समिति

शम्भूनाथ श्रीवास्तव, मुख्य प्रबंधक
वीणा कुमारी, मुख्य प्रबंधक

तकनीकी सहयोग

पुष्प मोहन कुमार, प्रबंधक

विशेष सहयोग

स्नेहा सिन्हा, वरिष्ठ प्रबंधक
गुंजन कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक
रंजीत रंजन, वरिष्ठ प्रबंधक

संपादक

डॉ. सुनील कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय कार्यालय का पता

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना, ब्लॉक ए,चतुर्थ तल, मौर्या लोक कॉम्पलेक्स,न्यू डाक बंगला रोड,
पटना – 800001, फोन 0612- 2223953,2222925,6450671,फैक्स : 0612-2220489
ई-मेल / E Mail : zo.patna@ucobank.co.in

इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गए विचार संबंधित लेखकों के हैं। यह आवश्यक नहीं है कि यूको बैंक उन/उनके विचारों से सहमत हो।

संरक्षक व प्रधान संपादक की कलम से ....

दिलीप सिंह राठौड़
उप महाप्रबधक एवं अंचल प्रमुख

प्रिय मित्रो !

आप सभी को सादर नमस्कार !

हमारे यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना के लिए यह गौरव की बात है कि "यूको मासिकी पटना" मासिक पत्रिका का प्रकाशन निरंतर समयबद्ध तरीके से किया जा रहा है। वास्तव में यह राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इस पत्रिका के माध्यम से मैं आप सभी के साथ दूसरी बार संवाद कर रहा हूँ।

मित्रो ! हमारे लिए यह अत्यंत ही प्रसन्नता की बात है कि हमारे अंचल "यूको मासिकी पटना" की मासिक पत्रिका के प्रवेशांक का विमोचन पटना विश्वविद्यालय, पटना के माननीय कुलपति प्रो (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह के कर-कमलों से दिनांक- 25 फरवरी, 2020 को पटना विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में यूको बैंक, जी. ड़ी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला के शुभ अवसर पर किया गया। यह पत्रिका अपने आप में नई जानकारी के साथ लबरेज रहेगी।

विगत एक वर्ष में हमारे अंचल कार्यालय, पटना ने राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में बहुत ही उम्दा प्रदर्शन किया है। सिर्फ बैंक नराकास ही नहीं बल्कि अन्य नराकासों को भी हमने अपने कार्यक्रमों में शामिल किया है क्योंकि राजभाषा का कार्यान्वयन करना हम सभी का परम दायित्व है।

साथियो, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मार्च का महीना खासकर बैंकर्स के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है। यही वो महीना जो बैंकर्स के लिए वित्तीय वर्ष के लेखा- जोखा का इम्तिहान होता है। हम सभी को डटकर चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता अर्जित करना है।

हम उम्मीद करते हैं कि इस वित्तीय वर्ष में हमारे बैंक का तुलनपत्र सकारात्मक रहेगा। हमारा बैंक पीसीए से बाहर आने के करीब है। हमें पूरी निष्ठा और जोशे-जुनून के साथ कार्य करना होगा। मार्च महीने का अंतिम समय हमारे लिए सुनहरा साबित हो सकता है। सिर्फ हमें अब थोड़ी सी और ज्यादा मेहनत करने की आवश्यकता है।

आप सभी से निवेदन है कि वसूली पर विशेष ध्यान दें। जिन शाखाओं में एनपीए है वे उधारकर्ताओं से बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देश के अनुसार वसूली करें। बैंक द्वारा प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुए त्वरित वसूली करें। रिटेल प्रोडक्टस के अभियान को ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच उसका प्रचार-प्रसार करें। सभी स्टाफ सदस्य एचआरएमएस पैकेज में कम से कम दो लीड जरूर से जेनेरेट करें ताकि बैंक को लाभ हो सके।

दोस्तो, अपने इस परमप्रिय संस्था की तरक्की के लिए हम सभी को अपने स्तर से कुछ न कुछ विशेष करना है। हम आशान्वित हैं कि इस वित्तीय वर्ष के परिणाम काफी सकारात्मक होंगे और उम्मीद है कि हमें कामयाबी मिलेगी ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

डी. एस. राठौड़

(दिलीप सिंह राठौड़)
उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख

प्रिय साथियो,

आप सभी को सादर नमस्कार

उप अंचल प्रमुख की कलम से .....

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना के लिए बहुत ही सम्मान की बात है कि "यूको मासिकी पटना" का प्रवेशांक यूको बैंक, जी. डी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला के दौरान दिनांक-25 फरवरी,2020 को पटना विश्वविद्यालय, पटना के माननीय कुलपति प्रो (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह के कर-कमलों से ऑनलाइन किया गया। इस पत्रिका के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में हमारे अंचल को एक नई प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है।

मित्रो, इस पत्रिका के माध्यम से हमें आपके साथ दूसरी बार संवाद करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। पिछली तिमाही यानी दिसंबर 2019 में हमारे अंचल का प्रदर्शन काफी उम्दा रहा है। मार्च 2020 तिमाही में बेहतर कार्यनिष्पादन करते हुए हमें बैंक को लाभप्रदता की श्रेणी में लाना है। इसके लिए हमारे बैंक का कुल एनपीए (Gross NPA) 20% से नीचे होना चाहिए और निवल/शुद्ध एनपीए (Net NPA) 6% से नीचे होना जरूरी है ताकि हमारा बैंक पीसीए (PCA) की श्रेणी से बाहर आ सके। हम अपने लक्ष्य के काफी करीब हैं। संकल्प- 2020 की राह पर कार्य करते हुए हमारे बैंक के व्यवसाय में भी काफी वृद्धि हुई है। हम कामयाबी के काफी करीब हैं।

जैसाकि आप सभी को विदित है कि अग्रिम ऋण को बुस्ट अप करने हेतु हमारे बैंक द्वारा दिनांक- 26 दिसंबर, 2019 से 22 मार्च, 2020 तक "यूको कार्निवल" योजना के तहत रिटेल लोन अन्य रिटेल लोन एवं एमएसएमई लोन करने के लिए चलाई जा रही है। "यूको कार्निवल" के लिए हमारे बैंक ने पूरे भारत में कुल रु. 5057 करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें से पटना अंचल को रु.108 करोड़ का लक्ष्य आबंटित किया गया है। हमारे अंचल ने इसमें भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य के करीब है और उम्मीद करते हैं कि 22 मार्च, 2020 तक शाखाओं के सम्पूर्ण सहयोग से इस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जाएगा।

मनोज कुमार
सहायक महाप्रबंधक व उप अंचल प्रमुख

वसूली के क्षेत्र में भी हमने विगत तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारे बैंक द्वारा जारी की गई योजना "यूको प्रतिष्ठा" जो कि 100 दिनों की है। इस योजना पर हमें कुछ बेहतर कार्य करना है। उधारकर्ताओं के साथ व्यावहारिक पक्ष को रखते हुए उनसे वसूली करना होगा। साथ ही साथ बैंक द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसरण में वसूली करनी होगी। जिन शाखाओं में एनपीए ज्यादा है वहाँ के ऋणधारकों से निरंतर संपर्क करना होगा और वसूली के कारगर कदम उठाते हुए संबंधित राशि की वसूली करनी होगी।

जैसाकि आप सभी को यह भी ज्ञात है कि 1 अप्रैल, 2020 से भारत में सरकारी क्षेत्र के मात्र 12 बैंक ही मौजूद रहेंगे। और इसमें हमारे बैंक का वजूद भी रहेगा। हमें अपने बैंक को श्रेष्ठ बैंकों में श्रेणी में लाना है। इसके लिए हमें संकल्प-2020 के सपनों को साकार करना होगा।

मित्रो! इस तिमाही में हमें अपने कार्यों के प्रति समयनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता और लगनशीलता के साथ जुड़ जाना होगा। हमारे पास समय बहुत कम है परंतु इसी अल्पावधि में हमें कुछ अलग करते हुए मार्च-2020 के पहले कुछ विशेष करना है ताकि हम अपने परमप्रिय बैंक को सम्मानजनक स्थिति में ला सकें।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

मनोज कुमार

(मनोज कुमार)
सहायक महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख

यूको बैंक, जी ड़ी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन

पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) रासबिहारी प्रसाद सिंह के उद्गार

यूको बैंक, जी. डी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो. (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह, साथ में यूको बैंक, अंचल कार्यालय,पटना के अंचल प्रमुख श्री दिलीप सिंह राठौड़, उप अंचल प्रमुख श्री मनोज कुमार, निदेशक प्रो. (डॉ) रबीन्द्र कुमार व अन्य ।

विषय चाहे कोई भी हो, बहस चाहे किसी भी मुद्दे पर हो लेकिन जब उसका माध्यम हिंदी हो तो ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वह संदेश आसानी से पहुँच जाता है और लोग लाभान्वित होते हैं। भाषा हमेशा से ही भावों की वाहिका रही है। अपनी भाषा के माध्यम से हम अपने विचारों और भावनाओं को सही तारीक से प्रस्तुत कर सकते हैं। पर्यावरण पर राजभाषा हिंदी में व्याख्यानमाला का आयोजन सभी के लिए सुग्राही एवं उचित है। आज हमारे पर्यावरण में वे सभी प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं जो कई तरीकों से हमारी मदद करते हैं तथा चारों ओर से हमें घेरे हुएं हैं। यह हमें बढ़ने तथा विकसित होने का बेहतर माध्यम देता है, यह हमें वह सब कुछ प्रदान करता है जो इस ग्रह पर जीवन यापन करने हेतु आवश्यक है। हमारा पर्यावरण भी हमसे कुछ मदद की अपेक्षा रखता है जिससे की हमारा लालन-पालन हो, हमारा जीवन सही बना रहे और कभी नष्ट न हो।

उक्त बातें यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना के उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री दिलीप सिंह राठौड़ ने यूको बैंक द्वारा पटना विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में माननीय कुलपति पटना विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में आयोजित जी. ड़ी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला के उद्घाटन सत्र में कहा।

पटना विश्वविद्यालय, सेंट्रल लाइब्रेरी पटना के निदेशक प्रो. (डॉ) रबीन्द्र कुमार ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण और उसके विकास में आज की युवापीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यावरण को बचाने के लिए हम सभी को अपने सबसे पहले स्वयं से फिर घर से, समाज से, शहर से पहल करने की जरूरत है। अगर हमारा पर्यावरण सुरक्षित हैं तो हमारा भविष्य भी हरा-भरा होगा। पर्यावरण को संरक्षित करना हमारे लिए एक चुनौती है। इसे बचाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। यह सभी के लिए अनिवार्य है।

इसके पहले उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति पटना विश्वविद्यालय, पटना के प्रो. (डॉ.) रास बिहारी प्रसाद सिंह के कर-कमलों से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। यूको बैंक, जी. ड़ी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने "सतत विकास हेतु पर्यावरणीय संतुलन की अनिवार्यता" विषय पर अमूल्य विचार रखा और श्रोताओं को विशेष रूप से यह बताया कि पर्यावरण को कैसे सुरक्षित और संरक्षित रखा जा सकता है।

सभा को संबोधित करते हुए अंचल प्रमुख श्री दिलीप सिंह राठौड़।

उन्होंने कहा कि धरती पर जीवन के लालन-पालन के लिए पर्यावरण प्रकृति का उपहार है। वह प्रत्येक तत्व जिसका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते हैं वे सभी पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं। जैसे- हवा, पानी, प्रकाश, भूमि, वृक्ष, जंगल और अन्य प्राकृतिक तत्व। हमारा पर्यावरण धरती पर स्वस्थ जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फिर भी हमारा पर्यावरण दिन-प्रतिदिन मानव निर्मित तकनीक तथा आधीनीक युग के आधीनीकरण की वजह से नष्ट होता जा रहा है। हम सभी को अपनी गलती का सुधार करना होगा तथा स्वार्थपरता त्याग कर पर्यावरण को प्रदूषण से सुरक्शित तथा स्वस्थ करना होगा। हमारा छोटा सकारात्मक कदम बदलाव कर सकता है तथा पर्यावरण की गिरावट को रोक सकता है।

प्रो.(डॉ) रासबिहारी प्र. सिंह ने कहा कि मनुष्य ने अपनी सुख-सुविधा के लिए प्रकृति का दोहन किया है। अपने जीवन को आराम- तलबी बनाने के लिए मनुष्य ने विभिन्न तरीकों से पर्यावरण को असंतुलित किया है। सिर्फ अपने जीवन को संरक्षित करने के लिए उसने वृक्षों को नुकसान पहुंचाया। आज ऐसी स्थिति आ चुकी है कि इस दुनिया में सर्व सक्षम व्यक्ति ही जीवित रह सकता है। कल को ऐसा न हो कि आनेवाली पीढ़ी हरे भरे वृक्षों को देखने के लिए

माननीय कुलपति प्रो (डॉ) रस बिहारी प्रसाद सिंह जी ड़ी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता के रूप में सभा को संबोधित करते हुए।

लालायित हो जाए। हमें अपने आनेवाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण संबंधी कुछ विशेष प्रयोजन करना होगा। अपने राष्ट्र निर्माण के लिए हमें पर्यावरण को बचाना होगा। पीपल का पेड़ हमेशा ऑक्सिजन देता है यही वजह है कि लोग कहते हैं कि आप पीपल के वृक्ष में जल डालें तो आपके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

माननीय कुलपति ने कहा कि पर्यावरण को सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए बल्कि इसे बचाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। यह मानवीय गलती का ही नतीजा है कि कभी रीवा के जंगल में सफ़ेद बाघ हुआ करते थे और थाईलैंड के राजा रीवा आया करते थे। मानवीय गलती और पर्यावरण में गिरावट से आज रीवा मौजूद नहीं है। मनुष्य ने अपनी शौक के खातिर भी प्रकृति का दोहन किया है। आज बहुत सारे पशु, पक्षी, जीव-जन्तु, जानवर विलुप्तावस्था में हैं। पर्यावरण के नुकसान की वजह से आज बहुत सारे जानवरों की प्रजातियाँ नष्ट हो गईं। इसके आगे कुलपति महोदय ने कहा कि कोई अगर वृक्ष है तो वह

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना द्वारा आयोजित जी. ड़ी. बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला में उपस्थित श्रोतागण

हमारे लिए लाखो रुपए के बराबर हो सकता है। मुसीबत के समय हमें ऑक्सिजन खरीदना पड़ता है जबकि पेड़-पौधे हमें निरंतर ऑक्सिजन देते रहते हैं। जो प्राकृतिक रूप से सही होते हैं। अगर किसी वृक्ष की आयु पचास से साठ वर्ष की होती है तो

कुलपति महोदय ने बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही जल-जीवन- हरियाली के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि जल से ही जीवन, पर्यावरण और हरियाली है। बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही यह बहुत ही अनूठी पहल है। इस विषय पर हम सभी को अपने आप से शुरुआत करनी चाहिए। विषयांकित पर उन्होंने सभी श्रोताओं को विशेष ज्ञान से अवगत कराया और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण पहलूओं से रू-ब-रू कराया। उनका कहना था कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सभी वर्ग के लोगों को आगे आना चाहिए।

पटना विश्वविद्यालय के सहायक प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा ने कहा कि ऐसे व्याख्यानमाला का आयोजन प्रत्येक माह करना चाहिए ताकि यहाँ के विद्यार्थियों लाभान्वित हो सकें और हम सभी का ज्ञानवर्धन हो सकें। जी ड़ी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला वास्तव में हम सभी के फलदायी साबित हुआ है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विषय भी काफी तार्किक है।

अंचल कार्यालय पटना के सहायक महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख श्री मनोज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आज पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का परम कर्तव्य है। यह हम सभी के लिए जरूरी है। पर्यावरण है तो हम हैं। पर्यावरण हमारे स्वस्थ जीवन का परिचायक भी है। जिस स्थान का पर्यावरण अच्छा होता है वहाँ के लोग भी उस प्रकृति की सुंदरता का लाभ उठाते हैं। कुलपति महोदय और पटना विश्वविद्यालय के तमाम स्टाफ सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन करते हुए श्री मनोज कुमार ने कहा कि हमें अपनी प्राकृतिक धरोहर को बचाकर रखना चाहिए ताकि हम स्वस्थ्य रह सकें।

यूको बैंक, मातृभाषा सम्मान: राज्य सिविल सेवा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी सम्मानित

यूको बैंक द्वारा चलाए जा रहे यूको बैंक, मातृभाषा सम्मान के तहत वैसे अभ्यर्थियों को सम्मानित किया जाता है जो राज्य सिविल सेवा की परीक्षा हिंदी या क्षेत्रीय भाषा के माध्यम से उत्तीर्ण होते हैं। इसके तहत यूको बैंक की ओर से

यूको बैंक, मातृभाषा सम्मान ग्रहण करते हुए सुश्री प्रिया कुमारी (बिहार प्रशासनिक सेवा)

सम्मानार्थ रु. 5000/- की राशि, स्मृति चिह्न और प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

दिनांक 25 फरवरी, 2020 को पटना विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित यूको बैंक, जी॰ ड़ी॰ बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पटना विश्वविद्यालय, पटना के माननीय कुलपति प्रो (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने "सतत विकास हेतु पर्यावरणीय संतुलन की अनिवार्यता" विषय पर अपना अमूल्य व्याख्यान दिया। इसी कार्यक्रम के दौरान पिछले वर्ष बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा की परीक्षा में हिंदी माध्यम से उत्तीर्ण सुश्री प्रिया कुमारी (बिहार प्रशासनिक सेवा) और श्री सुबोध कुमार सिन्हा (बिहार पुलिस सेवा) को माननीय कुलपति के कर-कमलों से "यूको बैंक, मातृभाषा सम्मान" से सम्मानित किया गया।

बिहार प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित सुश्री प्रिया कुमारी ने कहा कि मनुष्य को चाहिए कि वह जिस कार्य का दायित्व ले उसे निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचाए। असफलता से कभी भी घबराना नहीं चाहिए बल्कि उससे सीख लेते हुए आगे बढ़ना चाहिए। निरंतर परिश्रम करने से ही सफलता मिलती है। हर विषय पर हमेशा ही चिंतन-मनन करना

चाहिए ताकि विषय आसान हो जाए। किसी भी सवाल का जवाब अपने शब्दों में लिखना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि आपने पढ़कर अपनी भाषा में उत्तर दिया है।

बिहार पुलिस सेवा के लिए चयनित श्री सुबोध कुमार सिन्हा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अभ्यर्थी को चाहिए कि वे अपने निर्धारित लक्ष्य से कभी भी विचलित

यूको बैंक, मातृभाषा सम्मान ग्रहण करते हुए श्री सुबोध कुमार सिन्हा (बिहार पुलिस सेवा)

न हों। हमेशा ही अपने आप में पूर्ण विश्वास करें। पुराने प्रश्नों को भी गंभीरता से लें। यथासंभव अपने शब्दों और

भाषा में ही उत्तर दें। सिविल सेवा की परीक्षा की तैयारी के लिए टेक्स्ट जरूर से पढ़ें। कभी भी शॉर्ट कट का तरीका नहीं अपनाएं। किसी भी विषय या अध्याय को विस्तृत रूप में पढ़ें और संबंधित से विशेष जानकारी प्राप्त करें।

"यूको मासिकी पटना" का विमोचन

यूको बैंक, प्रधान कार्यालय के आदेशानुसार दिनांक 25 फरवरी, 2020 को यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना द्वारा "यूको मासिकी पटना" मासिक ई-पत्रिका के प्रवेशांक का विमोचन पटना विश्वविद्यालय, पटना के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह के कर-कमलों से सॉफ्टकॉपी द्वारा किया गया।

अंचल कार्यालय, पटना की "यूको मासिकी पटना" की ई-पत्रिका का विमोचन करते हुए पटना विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह साथ में यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पटना के अंचल प्रबंधक श्री दिलीप सिंह राठौड़, केंद्रीय पुस्तकालय के निदेशक प्रो (डॉ) रबीन्द्र कुमार और अंचल कार्यालय, पटना के सहायक महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार

अपने संबोधन में माननीय कुलपति ने कहा कि प्रतिमाह पत्रिका का प्रकाशन किए जाने से लोगों में पढ़ने और लिखने की रूचि पैदा होगी। यह बहुत ही सराहनीय पहल है। इसके माध्यम से राजभाषा के कार्यान्वयन में गति आएगी और अधिकांश लोग संवाद भी स्थापित कर सकते हैं। किसी भी पत्रिका का प्रकाशन अपने आप में विशेष महत्व रखता है। इस माध्यम से अपनी संस्था की गतिविधियों के बारे में सभी लोग अवगत होते रहेंगे। कुलपति महोदय ने पत्रिका के सभी पृष्ठों का गहनता से देखा और अग्रिम अंक के समयबद्ध तरीके से प्रकाशित होने के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ भी दी।

यूको बैंक, जी ड़ी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमला एवं यूको बैंक मातृभाषा सम्मान

प्रिंट मीडिया की सुर्खियों में

दैनिक जागरण

ग्रवलिसिस फ्री 03 स्मार्ट सिटी लेगी आकार, तेज होगी मेट्रो की

पर्यावरण को सरकार के भरोसे छोड़ना गलती

व्याख्यानमाला का शुभारंभ करते कुलपति डॉ. रास बिहारी प्रसाद (बाएं से चौथे)। ● जागरण

जासं, पटना : पर्यावरण को सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। मानवीय गलती का ही नतीजा है कि कभी सफेद बाघ के लिए प्रसिद्ध रीवा के जंगल खत्म हो गए। कभी सफेद बाघ देखने के लिए थाईलैंड के राजा रीवा आते थे। मानवीय गलती और पर्यावरण में गिरावट से आज रीवा मौजूद नहीं है। उक्त बातें पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने केंद्रीय पुस्तकालय में यूको बैंक के संस्थापक स्व. जीडी बिड़ला की 125वीं जयंती पर 'सतत विकास हेतु पर्यावरण संतुलन की अनिवार्यता' विषय पर आयोजित व्याख्यानमाला में कहीं।

पटना विवि पुस्तकालय के निदेशक प्रो. रविंद्र कुमार ने कहा कि पर्यावरण के साथ मित्र जैसा व्यवहार जरूरी है। पटना साइंस कॉलेज के डॉ. अशोक कुमार झा, यूको बैंक के जीएम दिलीप सिंह राठौड़, एजीएम मनोज कुमार व अन्य मौजूद थे।

ज्यादा लोगों तक पहुंचता है हिंदी में दिया गया संदेश

जासं, पटना : बहस चाहे किसी भी मुद्दे पर हो, लेकिन उसका माध्यम हिंदी हो तो ज्यादा से ज्यादा लोगों तक संदेश आसानी से पहुंचता है और इससे लोग लाभांवित होते हैं। ये बातें यूको बैंक अंचल कार्यालय पटना के उप-महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख दिलीप सिंह राठौड़ ने पटना विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी हॉल में व्याख्यानमाला आयोजन के दौरान कहीं। यूको बैंक की ओर से चलाई जा रही योजना 'यूको बैंक मातृभाषा सम्मान' के तहत प्रिया कुमारी और सुबोध कुमार सिन्हा को सम्मानित किया गया। सहायक प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा, सहायक महाप्रबंधक उप-अंचल प्रमुख मनोज कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. सुनील कुमार मौजूद थे।

हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान 08

पटना • बुधवार • 26 फरवरी 2020

इट
किया।

सेंट्रल लाइब्रेरी में मंगलवार को यूको बैंक की ओर से हुई संगोष्ठी का उद्घाटन करते अतिथि।

पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा : वीसी

पटना। मानवीय गलती और पर्यावरण की गिरावट के कारण आज रीवा जंगल के सफेद बाघ मौजूद नहीं है। कभी इसे देखने के लिए थाईलैंड के राजा भी आते थे। ये बातें पीयू के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने मंगलवार को कहीं। मौका था सेंट्रल लाइब्रेरी में यूको बैंक की ओर से आयोजित एक संगोष्ठी का।

व्याख्यानमाला हुआ

यूको बैंक के सहयोग से जीडी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला के तहत व्याख्यान आयोजित किया गया। 'सतत विकास हेतु पर्यावरण संतुलन की अनिवार्यता' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को पुस्तकालय के निदेशक प्रो. रविंद्र कुमार, सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार झा आदि ने संबोधित किया। यूको बैंक के सहायक महाप्रबंधक मनोज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtr

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

यूको बैंक जीडी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित

कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

पटना (एसएनबी)। यूको बैंक के संस्थापक स्व. जीडी बिड़ला की 125 वीं जयंती के मौके पर 'यूको बैंक जीडी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला' का आयोजन किया गया।

पटना विवि के सेंट्रल लाइब्रेरी में 'सतत् विकास हेतु पर्यावरणीय संतुलन की अनिवार्यता' विषयक व्याख्यानमाला के दौरान पटना विवि के कुलपति प्रो. रास बिहारी सिंह एवं विवि पुस्तकालय के निदेशक प्रो. रवीन्द्र कुमार ने विषय पर अपने विचार रखे। यूको बैंक के मंडल प्रमुख दिलीप सिंह राठौड़ ने हिंदी भाषा को ज्यादा महत्व देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के माध्यम से संदेशों कोआसानी से आम लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। बैंक द्वारा चलाये जा रहे 'मातृभाषा सम्मान' के अंतर्गत प्रिया कुमारी और सुबोध सिन्हा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर सहायक महाप्रबंधक सह उप प्रमुख मनोज कुमार भी मौजूद थे।

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

बिहार

पटना, मंगलवार 11 फरवरी, 2020

फाल्गुन कृष्ण पक्ष 10, 2076

बिज़नेस प्लस

यूको बैंक की जीडी बिड़ला स्मृति व्याख्यानमाला

पटना|यूको बैंक द्वारा पटना विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी में जीडी बिड़ला व्याख्यानमाला आयोजित की गई। इसमें उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख दिलीप सिंह राठौर ने कहा कि हिंदी के माध्यम से कोई भी संदेश लोगों तक पहुंच जाता है। पर्यावरण पर हिंदी में व्याख्यान सबके लिए उचित है। पीयू के कुलपति प्रो. रासबिहारी सिंह, लाइब्रेरी के निदेशक प्रो. रवीन्द्र कुमार, सहायक महाप्रबंधक मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

प्रभात खबर

17,000

हम सभी अपने स्तर से पर्यावरण के लिए करें काम : प्रो रासबिहारी सिंह

- पीयू सेंट्रल लाइब्रेरी में जीडी बिड़ला की 125वीं जयंती पर 'सतत विकास के लिए पर्यावरण संतुलन की अनिवार्यता' पर व्याख्यान

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

पीयू में बोलते कुलपति प्रो डॉ रासबिहारी सिंह.

पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ रास बिहारी सिंह ने पर्यावरण के प्रति लोगों की जागरूकता पर बल देते हुए आम लोगों से इसके लिए सरकार पर निर्भर न रहकर अपने स्तर से काम करने की भी अपील की है. उन्होंने पर्यावरण के प्रति लोगों को अपनी जिम्मेदारी के प्रति भी आगाह किया. वे पीयू सेंट्रल में यूको बैंक के संस्थापक जीडी बिड़ला की 125वीं जयंती पर विकास के लिए पर्यावरण क्या उपयोगिता है और किस तरह मूल्यवान है? उन्होंने कहा कि पर्यावरण की गिरावट के कारण ही रीवा के जंगल जो सफेद बाघ के लिए प्रसिद्ध थे, जिसे देखने थाइलैंड के राजा भी आते थे, आज मौजूद नहीं है. उन्होंने बिहार सरकार की 'जल जीवन हरियाली मनुष्य का प्रकृति के साथ सहयोग का रिश्ता है, युद्ध का नहीं. पटना विश्वविद्यालय के सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार झा ने पर्यावरण के लिए पटना विश्वविद्यालय में हो रहे कार्यों के बारे में बताया. साथ ही कुलपति के द्वारा हो रहे प्रयास के

राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से ऋण वसूली

सफलता का आनंद उठाने के लिए यह जरूरी है कि हम कठिनाईयों से गुजरकर अपनी मंजिल तक पहुंचे। जब लक्ष्यों को पाना मुश्किल हो तो लक्ष्यों को बदलने की जरूरत नहीं होती है बल्कि अपने प्रयासों में बदलाव करने की आवश्यकता होती है। बस जरूरी पलों में हमें अपने कार्यों को मंजिल तक पहुँचाने में लग जाना चाहिए और अंततः हमें सफलता प्राप्त हो जाती है।

कहा जाता है कि लोक अदालत द्वारा ऋण मुकदमों के निपटान में वकील पर खर्च नहीं होता है। कोर्ट-फीस नहीं लगती है। पुराने मुकदमे की कोर्ट-फीस वापस हो जाती है। इसमें किसी पक्ष को सजा नहीं मिलती है और मामलें को बातचीत द्वारा सफाई से हल कर लिया जाता है। इसके तहत मुआवजा, न्याय और हर्जाना तुरंत मिल जाता है। इसके अधीन दोनों पक्षों की सही तरीके से सुनवाई होती है। लोक अदालत बैंकों के डूबे हुए ऋणों की वसूली के लिए मददगार साबित हुआ है।

लोक अदालत एक ऐसा मंच है जहां पर न्यायालयों में विवादों/ लंबित मामलों या मुकदमेंबाजी से पहले की स्थिति से जुड़े मामलों का समाधान समझौते से और सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाता है। इसमें विवादों के दोनों पक्षों के मध्य उत्पन्न हुए विवाद को बातचीत या मध्यस्तता के माध्यम से उनके आपसी संवाद/समझौते के आधार पर निपटाया जाता है। इसी को ध्यान में रखकर समय-समय पर बैंकों के फंसे ऋणों की वसूली को ध्यान में रखते हुए लोक अदालत लगाया जाता है।

इस वर्ष दिनांक- 8 फरवरी, 2020 को लोक अदालत लगाया गया। इसके अंतर्गत पटना अंचलाधीन संबंधित शाखाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। इसके तहत अधिकांश ग्राहकों से ऋण वसूली में विशेष मदद मिली। नकद वसूली के साथ-साथ समझौते के तहत भी ऋण वसूली के लिए प्रस्ताव आएँ। पटना अंचल की अधिकांश शाखाओं ने लोक अदालत के तहत अच्छी ऋण वसूली की है। इस बार भी हमारे अंचल की वसूली टीम ने कड़ी मेहनत के साथ उम्दा प्रदर्शन किया है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी शाखाओं ने लोक अदालत के पत्रों को ऋणधारकों तक पहुंचाया। लिफलेट बटवाएँ। माईकिंग कारवाई। बी सी और वसूली एजेन्टों के माध्यम से लोक अदालत में निर्धारित तारीक को उपस्थित रहने की सूचना प्रदान कारवाई। दिनांक 8 फरवरी, 2020 को आयोजित किए गए राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत हमारा उद्देश्य यह था कि उक्त लोक अदालत की तारीख से पहले अधिक से अधिक एकमुश्त निपटान/समझौता के तहत अधिक से अधिक अनर्जक खाताधारकों से राशि वसूल की जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत (वसूली) के कार्य में तीव्र गति लाने एवं उसे सफल बनाने के लिए हमने निम्नलिखित कार्य-योजना अपनायी:-

1) ज्यादा से ज्यादा अनर्जक खाताधारकों (NPA) को नोटिस प्रस्तुत किया एवं बातचीत के माध्यम से लोक अदालत के लाभ के बारे में बताया एवं इसमें दी जानेवाली छूट से उन्हें अवगत कराया गया।
2) प्रवर्तन एजेंट/वसूली एजेंट को बुलवाया एवं लोक अदालत में निपटान हेतु उधारकर्ताओं को लाने के लिए इसकी सूची उन्हें उपलब्ध कराई।
3) इसके विस्तृत प्रचार-प्रसार हेतु माईकिंग के माध्यम से जागरूकता अभियान के तहत अवगत कराया एवं इसकी तस्वीर को हमने व्हाट्सएप्प समूह पर भी मंगवाया ।
4) राष्ट्रीय लोक अदालत की योजना की विशेषताओं से युक्त बैनर को प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करवाया।
5) अंचल कार्यालय के कार्यपालकगण / नोडल अधिकारीगण, शाखा प्रमुखों के साथ निरंतर संपर्क में रहने एवं ऋण वसूली की स्थिति की समीक्षा करने हेतु एक सशक्त टीम का गठन किया। अंचल कार्यालय के कार्यपालकों तथा अधिकारियों ने आवश्यकतानुसार शाखाओं का दौरा भी किया।

हमें अपने पटना अंचल पर पूरा गर्व है कि हमने अपनी संस्था के उत्थान और व्यवसाय वृद्धि के लिए बेहतरीन कार्य किया। हमारी टीम ने एकजुट होकर प्रबल टीम भावना के साथ अपने कार्यों को अंजाम देते हुए वसूली के कार्य को बहुत आसान कर दिया।

हमारे पटना अंचल ने राष्ट्रीय लोक अदालत में ऋण वसूली योजना के तहत पूरे भारत में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हमारे स्टाफ सदस्यों ने अपनी पूरी क्षमता के साथ कुछ विशेष कार्य किया है। एक सच्चे संकल्प के साथ पटना अंचल ने बहुत ही अच्छी ऋण वसूली की है।

उम्मीद करते हैं कि मार्च 2020 तिमाही के परिणाम में हमारे अंचल द्वारा वसूली के क्षेत्र में अच्छा कार्यनिष्पादन होगा।

कोरोना वायरस से घबड़ाना नहीं, इसे हराना है। डर कर नहीं, डट कर मुक़ाबला करें

खुद रहें सुरक्षित, दूसरों को भी रखें सुरक्षित

नॉवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रकोप को रोकने के लिए निम्नलिखित उपाय/बचाव करें: -

1. शाखा / कार्यालय परिसर में प्रवेश करने से पहले अपने हाथों को सैनिटाइजर से सैनिटाइज़ कर लें और ग्राहकों को भी ऐसा करने को कहें। इस हेतु शाखा परिसर के अंदर सैनिटाइजर रखें। साथ ही साथ ग्राहकों की सेवा का त्वरित निपटान करें और सेवा प्रदान करते समय (ग्राहको से) कम से कम एक (1) मीटर की दूरी बनाएँ रखें।
2. ज्यादा से ज्यादा से ग्राहकों को "डिजिटल बैंकिंग" (ऑनलाइन बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/ऑनलाइन शॉपिंग/यूपीआई/यूएसएसडी/ आईएमपीएस/एनईएफ़टी/डेबिट कार्ड/ क्रेडिट कार्ड्स आदि) के साथ लेनदेन करने के लिए प्रोत्साहित करें इस हेतु उनकी सहायता भी करें। ग्राहकों की समस्याओं का निदान विडियो कॉल, फोन या दूरभाष के माध्यम से करें। परंतु बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार ही कार्य करें।
3. अपने कार्यस्थल एवं बाहर जाने के लिए अपने खुद की वाहन/गाड़ी का उपयोग करें। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का कम से कम उपयोग करें। अपने मुँह को रूमाल/मास्क/ कपड़े से ढँके। ज्यादा भीड़–भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। कम से कम लोगों से मुलाक़ात करें। फिलहाल, विदेश यात्रा या अन्य यात्रा पर जाने से बचें।
4. शाखा/कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों के लिए ग्लप्स, सैनिटाइजर, डिटोल, मास्क आदि की समुचित व्यवस्था करें। डिस्पोज़ेबल ग्लास व कप का उपयोग करें। हाजिरी बनाने के लिए बायोमेट्रिक का उपयोग न करें। साथ ही साथ शाखा/कार्यालय परिसर को विशेष रूप से स्वच्छ व साफ-सुधरा रखें।
5. अगर किसी स्टाफ सदस्य के परिवार का कोई सदस्य/पड़ोसी विदेश यात्रा से आया हो तो इसकी जानकारी रखें और जरूरी एहतिहात भी बरतें।
6. कुछ समय के अंतराल पर 20 सेकेंड्स तक अल्कोहल आधारित हैंड वाश या साबुन और पानी

से हाथ धोएँ। फिलहाल, किसी से भी हाथ मिलाने की बजाए नमस्कार करें।

7. अगर किसी भी स्टाफ सदस्य को बुखार, खाँसी और साँस लेने में कठिनाई है तो तुरंत ही जाँच करवाएँ।
8. शाखाओं में ग्राहकों की भीड़ को कम करने के लिए उन्हें सीमित संख्या में आने का निर्देश दें ताकि आप भी सुरक्षित रहें और वे ही सुरक्षित रहें। इस हेतु उनसे सहयोग कार्य के लिए आग्रह करें।
9. बार-बार आँख और नाक को न छूएँ। उपयोग किए गए टिसू पेपर बंद कूड़ेदानी में डाल दें।
10. "ओपेन डोर पॉलिसी" के तहत शाखा/केबिन/निकास के दरवाजे को केहूनी से खोलें हैंडल को पकड़ने से बचें।
11. किसी भी प्रकार से अफवाह से बचें । संयम से काम लें। हम इस संक्रमण से स्वयं को एवं दूसरों को बचाने हेतु हर संभव प्रयास करें। समय-समय पर
12. सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करें।
13. ग्राहकों के साथ कलम,पेंसिल, स्टैपलर आदि (स्टेशनरी सामग्री) को साझा करते वक्त ज्यादा सावधानी बरतें।
14. यह आवश्यक है कि वैश्विक महामारी के इस वातावरण में मानवता की जीत हो। भारत की जीत हो।
15. भारत पूरी शक्ति के साथ आगे बढ़े, यह संकल्प लेकर हम आवश्यक संयम का पालन करें जिससे हम बचें, देश को बचाएं, विश्व को बचाएं।

ध्यानाकर्षण: पटना अंचलाधीन मुद्रा तिजोरी प्रभारी यथा – पटना मुख्य शाखा, मुजफ्फरपुर मुख्य शाखा और गया मुख्य शाखा विशेष रूप से एहतिहात बरतते हुए सभी उपलब्ध उपकरणों एवं परिसर को सैनिटाइज़ कर लें। मुद्रा तिजोरी परिसर में प्रवेश करने से पहले अपने हाथों को सैनिटाइजर से सैनिटाइज़ करने के बाद ही कैश का कार्य करें । कार्य करते वक्त अपने हाथों में ग्लप्स, मास्क, सैनिटाइजर आदि का उपयोग करें। इस सूचना से सभी को अवगत कराएँ।

हम सब मिलकर कोरोना वायरस से मिलकर लड़ सकते हैं। सिर्फ हमें आत्मसंयम से कार्य करना है। इसे रोकने के लिए "आप हमारी सहायता करें, हम आपकी सहायता करेंगे" के आदर्श वाक्य पर कार्य करें। सबसे पहले अपनी बचाव आप स्वयं करें और दूसरों की भी बचाव के लिए आगे आएँ। समय-समय पर सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करें। इस आपदा की स्थिति से निपटने के लिए हम सभी को अपने पूर्ण दायित्व के साथ आगे बढ़ना होगा। ऐसी स्थिति में हमें एहतियात बरतने की जरूरत है। घबराने की जरूरत नहीं है। सावधानी बरतने की जरूरत है।

सक्षम हैं हम-जीतेंगे हम

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust